[Total No. of Printed Pages : 3] अनुक्रमांक.....

DVK - 102

कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप, नित्यकर्म व देवपूजन

वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा (DVK-17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2020

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. महालक्ष्मी के अंगपूजन व अष्ट सिद्धि पूजन का वर्णन कीजिए।

2. षोडशमातृ का पूजन का वर्णन कीजिए।

3. कितने उपचारों से देवपूजन किया जाता है? उल्लेख कीजिए।

4. सत्यनारायण कथा का क्या विधान है? वर्णन कीजिए।

5. गणेश पूजन का विधिवत वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. महालक्ष्म्यस्टक स्तोत्र लिखिए।

2. महामृत्युञ्जय मन्त्र लिखकर संक्षिप्त जप विधान लिखिए।

3. त्रिकाल सन्ध्या पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए।

4. शंख तथा घण्टा पूजन की विधि का वर्णन कीजिए।

5. दुर्गा पूजन का विधान लिखिए।

6. विष्णु पूजा की विधि का उल्लेख कीजिए।

7. नवार्ण मन्त्र लिखकर जप विधि का उल्लेख कीजिए।

8. सन्तान गोपाल मन्त्र के प्रयोग का क्या विधान है? वर्णन कीजिए।

****